(घ) इस कार्यक्रम के कब तक पूरा हो जाने की आशा है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे) : (क) से (घ). सूचना और प्रसारण मंत्रालय का कार्य देश भर के लोगों को अपने माध्यम एककों अर्थात् पत्र सूचना कार्यालय, आकाशवाणी, दूरदर्शन, फिल्म प्रभाग, प्रकाशन विभाग, क्षेत्रीय प्रचार यूनिटों, गीत और नाटक प्रभाग, तथा विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से उपयुक्त कार्यक्रम रूपों के जरिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों से सूचित रखना है। नये उपयुक्त कार्यक्रमों का क्षेत्र बढ़ाने और उन्हें तैयार करने के रूप में इन माध्यम एककों का विस्तार और विकास करना हमारी पंचवर्षीय योजना के कार्यक्रमों के अंग के रूप में एक सतत प्रक्रिया है। छठी योजना अवधि के दौरान इस मंत्रालय के विभिन्न माध्यम एककों के विस्तार और विकास के लिये 240.33 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उद्देश्य विभिन्न कार्यक्रमों की पहुंच और प्रभाव में वृद्धि करने का है ताकि संचार का उपयोग विकास प्रक्रिया में एक प्रभावी साधन के रूप में किया जा सके। इस के लिए सभी स्तरों पर विभिन्न माध्यम एककों के कार्य करण के और अधिक प्रभावी समन्वय पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

दिल्ली में बिजली की कमी

422. **श्री राम प्यारे पनिका :**
श्री माकू राम जैन :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में अभी भी बिजली की कमी है;

(ख) यदि हां, तो यह कमी संभवतः कब तक पूरी हो जायेगी; और

(ग) कैसे तथा किन स्रोतों से ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन) : (क) से (ग). दिल्ली में इस समय फालतू बिजली है। दिल्ली में बिजली की कोई कमी नहीं है। दिल्ली की विद्युत सम्बन्धी सभी आवश्यकताएं इन्द्रप्रस्थ केन्द्र, बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र से होने वाले उत्पादन से तथा जब कभी आवश्यकता होती है, तब भाखड़ा-व्यास प्रबंध बोर्ड से सहायता लेकर पूरी की जाती है।

Self Sufficiency in L.P. Gas

423. SHRI SUBHAS CHANDRA BOSE ALLURI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India will be self sufficient in liquified petroleum gas from the year 1982-83; and

(b) if so, what is the amount of foreign exchange that is being spent every year to import L.P.G.?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P.C. SETHI): (a) and (b). With the anticipated increase in the availability of cooking gas (LPG) on a substantial scale from 1982-83 onwards, it is expected that the demand for LPG in the country will be fully met by indigenous production. Approximately Rs. 14 crores were spent on importing LPG during 1980-81.